an>

Title: Need to give Punjabi language the status of official language in Chandigarh.

श्री प्रेम सिंह चन्दूमाजरा (आनंदपुर साहिब) : अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से गृह मंत्रालय से निवेदन करना चाहता हूं कि यूनियन टैरिटरी चंडीगढ़ में पंजाबी भाषा को राजकीय भाषा की मान्यता देनी चाहिए। देश भर में जितनी भी यूनियन टैरिटरीज हैं, वहां की जो रीजनल लैंग्वेज है, उसे मान्यता दी गई है। किंतु केवल चंडीगढ़ में इंग्लिश को ऑफिशियल लैंग्वेज के तौर पर जाना जाता है। माननीय मंत्री, श्री जावड़ेकर जी मेरे मित्र हैं, वह चंडीगढ़ गये थे, उन्होंने ठीक कहा था कि इंग्लिश एक भाषा है, यह देश में कोई क्षेत्रीय भाषा नहीं है। जो 22 मान्यता प्राप्त लैंग्वेज हैं, उनमें पंजाबी भी है। चंडीगढ़ के समय जो 22 गांव उठाये गये थे, वे सारे पंजाबी स्पीकिंग एरियाज थे। अतः मैं कहना चाहता हूं कि पंजाबी को ऑफिशियल लैंग्वेज का दर्जा दिया जाए।

दूसरी बात मैं कहना चाहता हूं कि वहां हरियाणा और पंजाब के 60/40 के रेश्यो में इम्पलायीज थे। लेकिन अब यू.टी. कैडर बना दिया गया है तो पंजाब और हरियाणा के इम्पलायीज का वहां जाना बंद हो गया है। जम्मू-कश्मीर में ऑल पार्टी डेलिगेशन गया था, वहां सिखों को माइनोरिटी स्टेटस देने की मांग सबने की थी, मगर अभी तक वहां की सरकार ने उन्हें यह स्टेटस नहीं दिया। कल माइनोरिटीज मिनिस्टर ने कहा कि देश में 6 माइनोरिटीज नोटिफाइड हैं, पांच माइनोरिटीज को माइनोरिटी कमीशन में प्रतिनिधित्व दे दिया गया, लेकिन छठी माइनोरिटी सिखों को प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया।

अतः मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि सिखों के उपरोक्त मामले सोल्व किये जाएं। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष :

श्री भैरों प्रसाद मिश्र तथा

कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री प्रेम सिंह चन्दूमाजरा द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।